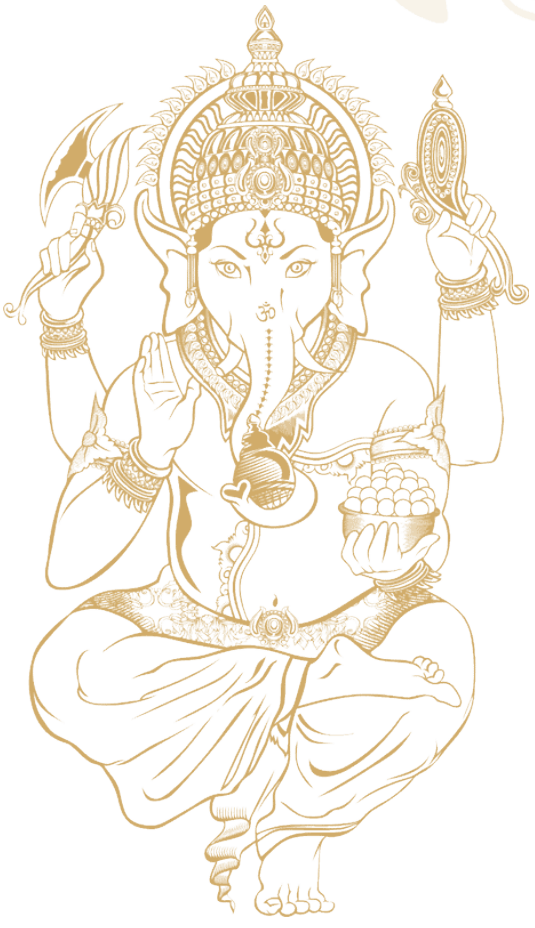

Mr.hanuman gupta

Ms.shalka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119150904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/04/1978	जन्म तिथि	2-03/07/1988
गुरुवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 12:20:00	जन्म समय	05:58:00 घंटे
घटी 15:03:34	जन्म समय(घटी)	59:41:35 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:34	सूर्योदय	06:05:21
18:56:52	सूर्यास्त	19:19:56
23:33:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 6मा 25दि		05:01:39	कर्क	लग्न	मिथु	15:04:02	मंगल 2वर्ष 9मा 9दि	
गुरु		06:17:01	मेष	सूर्य	मिथु	17:36:19	शनि	
14/11/2017		29:50:48	सिंह	चंद्र	कुंभ	01:22:47	12/04/2025	
14/11/2033		09:58:20	कर्क	मंगल	मीन	00:58:10	12/04/2044	
गुरु	02/01/2020	22:20:20	मीन व	बुध	वृष	27:03:21	शनि	15/04/2028
शनि	15/07/2022	07:41:44	मिथु	गुरु	वृष	02:45:41	बुध	24/12/2030
बुध	20/10/2024	27:50:17	मेष	शुक्र व	वृष	20:16:34	केतु	02/02/2032
केतु	26/09/2025	00:07:20	सिंह व	शनि व	धनु	04:38:13	शुक्र	03/04/2035
शुक्र	27/05/2028	12:15:30	कन्या	राहु व	कुंभ	22:26:58	सूर्य	15/03/2036
सूर्य	15/03/2029	12:15:30	मीन	केतु व	सिंह	22:26:58	चन्द्र	15/10/2037
चन्द्र	15/07/2030	21:27:28	तुला व	हर्ष व	धनु	04:50:23	मंगल	24/11/2038
मंगल	21/06/2031	24:31:13	वृश्चि व	नेप व	धनु	15:02:42	राहु	30/09/2041
राहु	14/11/2033	21:21:36	कन्या व	प्लूटो व	तुला	16:08:36	गुरु	12/04/2044

लग्न-चलित

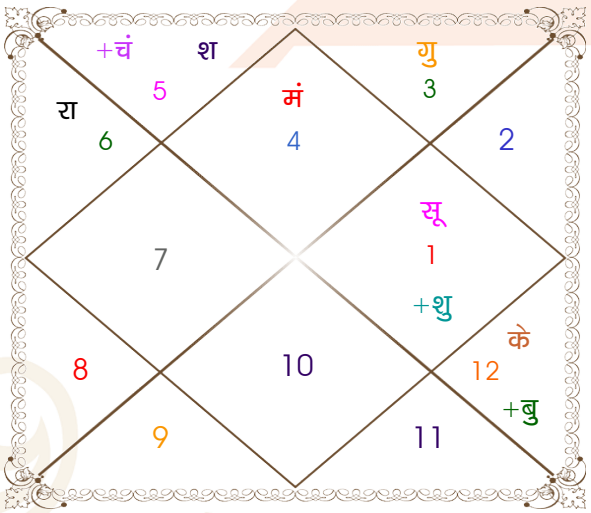

लग्न-चलित

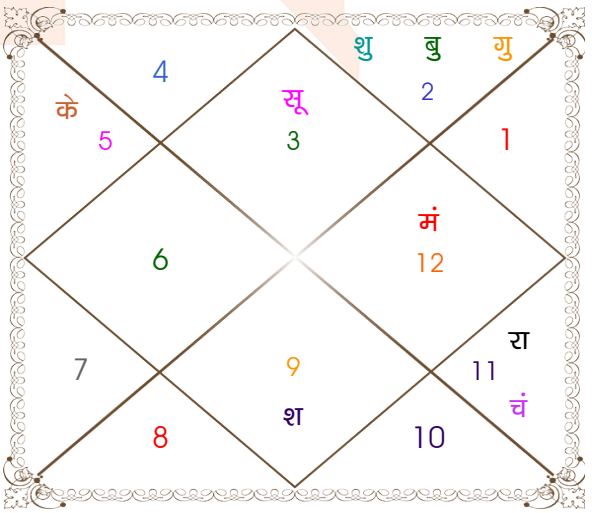

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतर्णीदनउंद हनचजं का वर्ग श्वान है तथा डेर्णेसां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णीदनउंद हनचजं और डेर्णेसां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णीदनउंद हनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतर्णीदनउंद हनचजं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेर्णेसां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डतर्णीदनउंद हनचजं तथा डेर्णेसां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।